अध्याय–10

बिहार दर्शन - 2

कक्षा 6 के बच्चों में यह जानकर खुशी का ठिकाना न रहा कि अगले रविवार को वे सब सासाराम स्थित शेरशाह का मकबरा, पटना का गोलघर, पटना संग्रहालय तथा पटनासिटी स्थित तख्त हरमंदिर साहिब घूमने जाएंगे। शिक्षक ने बताया कि कल प्रधानाध्यापक इस संबंध में बातें करेंगे।

अगले दिन प्रार्थना के बाद प्रधानाध्यापक ने वर्ग 6 के बच्चों को अपने कक्ष में बुलाकर महत्वपूर्ण निर्देश दिये।

उन्होंने बताया कि सासाराम राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 के किनारे रोहतास का जिला मुख्यालय है और यहाँ से दिल्ली–हावड़ा को जोड़ने वाली ग्रैंडकोर्ड रेलवे लाईन भी गुजरती है। राकेश अपनी उत्सुकता न रोक सका और पूछ बैठा, सर हमलोग वहां क्या रेलगाड़ी से जाएंगे?

सितम्बर और मई महीने में शैक्षिक परिभ्रमण पर जाने से पहले महत्त्वपूर्ण सामानों की सूची बनाएँ।

प्रधानाध्यापक मुस्कुराते हुए बोले, नहीं हमलोगों ने एक बस किराए पर ले रखी है और बस से ही हमलोग सासाराम में मकबरा देखेंगे तथा वहीं से पटना पहुँचेंगे।

प्रधानाध्यापक ने सभी बच्चों को उस दिन स्कूल ड्रेस पहनकर तथा एक डायरी, कलम के साथ आने का सुझाव दिया। उन्होंने बच्चों को तीन समूह में बाँट दिया और निर्देश दिया कि प्रत्येक समूह के बच्चे देखे गए स्थलों के संबंध में प्राप्त जानकारियाँ और सूचनाएँ नोट करेंगे। परिभ्रमण से लौटने के बाद बड़े समूह में इसकी चर्चा की जाएगी।

निर्धारित समय पर सभी बच्चों ने पहले से तय दर्शनीय स्थलों को देखा। शनिवार के दिन विद्यालय की बालसभा में प्रधानाचार्य के निर्देशानुसार समूह 'क' के बच्चों ने बड़े समूह को

अफगान शासक कहने का क्या अर्थ है? शिक्षक से पता कीजिए।

बताया कि रोहतास जिला मुख्यालय सासाराम में अफगान शासक शेरशाह का मकबरा स्थित है।

फरीद खाँ ने युवा काल में ही अपने संरक्षक की रक्षा करते हुए एक शेर को तलवार से एक ही वार में दो टुकड़े कर दिये थे। तभी से उसे शेरशाह पुकारा जाने लगा।

शेरशाह ने हुमायूँ को हटाकर भारत की गद्दी पर कब्जा कर लिया था। यह मकबरा शेरशाह ने अपने जीवनकाल में ही बनवाना प्रारंभ कर दिया था। यह मकबरा अष्टकोणीय है जो लाल पत्थरों से बना हुआ है। मकबरे की छत गोल गुम्बद के रूप में है। यह मकबरा एक तालाब के बीचों–बीच है और वहाँ तक जाने के लिए बीचो–बीच एक पुलिया मुख्य द्वार से मकबरा तक बनी हुई है। यह मकबरा भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग के संरक्षण में है और इसके कर्मचारी इसकी देख–रेख करते हैं। यह कहकर समूह 'क' ने अपनी बात समाप्त की ।

चित्र **10.1** गोलघर (पटना)

सभी बच्चों ने तालियाँ बजाकर स्वागत किया।

अब समूह 'ख' की बारी थी। समूह 'ख' की ओर से रीता ने कहना शुरू किया– ''हम लोग दोपहर के समय पटना पहुँचे और सबसे पहले गोलघर देखने गए। यह जगह पटना के गांधी मैदान के पश्चिम में स्थित है। गोलघर की गोल दीवारों पर एक सूचना पट्ट लगी है जिसमें गोलघर के सम्बंध में कई जानकारियाँ दी गई हैं। उसमें लिखा है कि इसका निर्माण **कैप्टन जान गॉलस्टीन ने 1786 ई०** में अनाज के सुरक्षित भंडारण के उद्देश्य से करवाया था ताकि दुर्भिक्ष या अकाल के समय इस अनाज से मदद कर लोगों की जान बचाई जा सके। इसकी दीवारें 12 फीट मोटी और 96 फीट ऊँची हैं। इसके शीर्ष पर चढ़ने के लिए दोनों ओर से सीढ़ियाँ बनी हुई हैं। हम सब सीढ़ियाँ चढ़कर गोलघर के ऊपर पहुँचे। वहाँ से पूरा पटना शहर दिखाई देता है। उत्तर दिशा में गंगा नदी बिल्कुल पास से बहती है। दूर पूरब में महात्मा

चित्र 10.2 पटना संग्रहालय (पटना)

गाँधी सेतु दिखाई पड़ता है। जिसका विस्तार दूर तक दिखाई देता है। गाँधी मैदान का विहंगम खुला क्षेत्र और एक किनारे पर स्थित श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल तथा चारों ओर ऊँची इमारतें बहुत ही आकर्षक लगती हैं। इतना कहकर रीता चुप हो गई।

श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल की उपयोगिता पता कीजिये।

उसी समूह के रवि ने बात आगे बढ़ाई– गोलघर के निकट में ही पटना संग्रहालय स्थित है। यहाँ स्कूली बच्चों को रियायती दर पर प्रवेश टिकट मिलता है। टिकट लेने के बाद हम लोग अंदर गए। चारों ओर बड़ा सा बगीचा है और बीच में संग्रहालय का भवन है। हमारे गाइड ने बताया कि यह भवन राजस्थानी शैली में बना है। संग्रहालय के बगीचे में सामने ही तोप रखे हैं। ये तोपें अंग्रेजी शासन की हैं। चारों ओर कई बड़ी–बड़ी दुर्लभ मूर्तियाँ भी देखने को मिलीं। मुख्य भवन में घुसते हीं एक विशाल पेड़ रखा हुआ देखा जो लगभग 5000 वर्ष पुराना है और उसकी लकड़ियाँ अब पत्थरनुमा हो गई हैं। यह पत्थरनुमा वृक्ष जीवाश्म का उदाहरण है। संग्रहालय में भगवान बुद्ध और जैन तथा मौर्यकाल के महत्वपूर्ण मूर्तियों, सिक्कों और बर्तनों को देखा। सभी वस्तुओं के पास नाम सहित उनकी आयु, उपयोगिता लिखी हुई थी जिसे पढ़कर उसके बारे में समझा जा सकता है। वहाँ एक राजेन्द्र कक्ष बना हुआ है। यहाँ राष्ट्रपति के रूप में राजेन्द्र प्रसाद को मिले उपहारों एवं वस्तुओं को स्मृति के रूप में रखा गया है। हाँ, संग्रहालय में रखी किसी वस्तु को कभी छूना नहीं चाहिए। वहाँ हर जगह ऐसी सूचनाएँ लिखी थीं। हर कमरे में दीवार पर कैमरे लगे हुए हैं अगर कोई छूएगा तो कैमरे में उसकी फोटो आ जाएगी। वहाँ पत्थर की एक सुंदर–सी मूर्ति थी जिस पर 'यक्षिणी' लिखा हुआ था। वह मूर्ति दीदारगंज में मिली थी। वह मूर्ति बहुत ही चमक रही थी और उसके गले में एक हार भी था। हम सबने घूम–घूमकर पूरा संग्रहालय देखा। संग्रहालय देखने से इतिहास की समझ बनती है, रवि ने कहा। सबने ताली बजाकर स्वागत किया।

संग्रहालय में रखी वस्तुओं को छूने से क्यों मना किया जाता है? चर्चा कीजिए।

शिक्षक ने अब सुंदरलाल को बोलने का इशारा किया।

दीदार गंज कहाँ है? वहाँ तक पहुँचने का मार्ग पता कीजिए।

चित्र 10.3 तख्त हरमंदिर साहेब (पटना सिटी)

सुंदरलाल ने कहना शुरू किया– हम लोग पटना सिटी में गुरु गोविन्द सिंहजी का जन्म स्थान भी देखे। इसे तख्त **श्री हरमंदिर साहिब** गुरुद्वारा कहते हैं। सफेद संगमरमर से बना यह गुरुद्वारा भव्य है। यह सिक्खों का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है। गुरुगोविंद सिंह के जन्म–दिवस पर यहाँ भव्य मेला लगता है। जहां देश–विदेश के सिक्ख भाग लेने आते हैं। इस पवित्र स्थल पर हम लोग अपने सिर पर रूमाल रखकर गए। अंदर गुरुग्रंथ साहिब रखा हुआ था और गुरुवाणी पढ़ी जा रही थी। बाहर निकलने पर 'प्रसाद' मिला। यहाँ लंगर भी चलता है जहाँ लोगों को निःशुल्क भोजन कराया जाता है। शाम हो गई थी। हम लोग बस में बैठकर घर लौट गए।

सभी बच्चों ने तालियाँ बजाकर इन सबको महत्वपूर्ण जानकारियाँ देने के लिए धन्यवाद दिया और आपस में इन्हीं स्थलों के बारे में चर्चा करने लगे।

अभ्यास

1. सही विकल्प को चुनें।

(i) गुरु गोविंद सिंह का जन्म स्थान है–

(क) पटना (ख) आरा (ग) सासाराम (घ) पटना सिटी

(ii) गोलघर कहाँ अवस्थित है?

(क) आरा (ख) पूर्णिया (ग) पटना (घ) वैशाली

(iii) दीदारगंज कहाँ है?

(क) वैशाली (ख) समस्तीपुर (ग) पटना (घ) गया

2. खाली जगहों को भरिये–

(i) गोलघर का निर्माण.....................में करवाया गया था।

(ii) शेरशाह का मकबरा.....................में है।

(iii) पटना स्थित संग्रहालय में.....................वर्ष पुरानी एक विशाल पेड़ की डाल रखी है।

(iv) यक्षिणी की मूर्ति.....................में मिली थी।

(v) तख्त श्री हरमंदिर.....................में स्थित है।

(vi) शेरशाह का मकबरा.....................कोणीय है।

(vii) ग्रैंडकोर्ड रेलवे.....................को जोड़ती है।

(viii) गोलघर का निर्माण.....................ने करवाया।

3. सही मिलान करें।

(i) गुरु गोविंद सिंह	(क)	सासाराम
(ii) पटना संग्रहालय	(ख)	पटना साहिब
(iii) गोलघर	(ग)	राजेन्द्र कक्ष
(iv) रोहतास	(घ)	अनाज का भंडारण

4. सही कथन में सही (✓) का चिह्न लगाऐं एवं गलत कथन में गलत (×) का चिह्न लगाएँ–

क. शेरशाह को हराकर हुमायूँ ने भारत की गद्दी पर कब्जा किया।

ख. पटना से गया को जोड़ने वाली रेलवे लाईन ग्रैंड कॉर्ड लाईन कहलाती है।

ग. पटना का गोलघर कैप्टन जान गालस्टीन ने बनवाया था।

घ. पत्थर की मूर्त्ति ''यक्षिणी'' दीदारगंज में मिली थी।

ङ. गुरु गोविन्द सिंह का जन्म स्थल तख्त श्री हरमंदिर जी कहलाता है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

क. गोलघर कहां है?इसका निर्माण क्यों करवाया गया था?

ख. शेरशाह कौन थे?इनका मकबरा कहाँ है?

ग. अगर आप पटना संग्रहालय जायेंगे तो आपको कौन–कौन सी चीजें नजर आएँगी?

घ. गुरुगोविन्द सिंह का जन्म स्थान आज किस नाम से प्रसिद्ध है? वहाँ सिक्ख क्यों आते हैं?

क्रिया–कलाप

(क) सासाराम– पटना सड़क मार्ग को मानचित्र में दिखाइए। वैकल्पिक सड़क मार्ग भी ढूंढिये।

(ख) अगर रेलमार्ग से पटना, गया, सासाराम की यात्रा करनी हो तो आपको कहाँ–कहाँ से रेलगाड़ी पकड़नी होगी ? इन रेलगाड़ियों के नाम पता कीजिए।

(ग) इन जगहों को देखने जाने के लिए अपने विद्यालय से लेकर उन स्थानों तक का रूट चार्ट तैयार कीजिये।

(घ) गुरुगोविंद सिंह कौन थे? उनके जीवन एवं कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी इकट्ठी कीजिए।

(ड़) लौरियानंदन–गढ़, वैशाली, सोनपुर मेला, मंदार पर्वत, मनेर शरीफ, थावे मंदिर के बारे में पता कीजिये और शिक्षक से चर्चा कीजिए।